खंड 01 | अंक 02 | अप्रैल - जून 2023
https://nichimachal.nic.in/publication/news-letter

हिम NIC इन्फारमेटिक्स

एनआईसी National Informatics Centre

एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश द्वारा एक त्रैमासिक संवाद पत्र

नव परियोजना

PSC SoFT

लोक सेवा आयोग सॉफ्टवेयर फॉर ट्रांसफॉर्मेशन

https://hppsconline.hp.gov.in

लोक सेवा आयोग सॉफ्टवेयर फॉर ट्रांसफॉर्मेशन (PSC SoFT) किसी भी राज्य लोक सेवा आयोग के मुख्य कार्यों के लिए एक एकीकृत समाधान प्रदान करने एवं सभी हितधारकों और आवेदकों के लिए एक-बार पंजीकरण (One-Time Registration) सुविधा के साथ एक पूरी तरह से विन्यास/कॉन्फ़िगर करने योग्य एक व्यापक ऑनलाइन सॉफ्टवेयर प्रणाली है। यह एक कार्यप्रवाह आधारित प्रणाली है, जिसमें आयोग द्वारा विभागों से मांग-पत्र को प्राप्त करने से लेकर अभ्यार्थियों के चयन तक की सभी प्रक्रियाओं को कम्प्यूट्रिकृत किया गया है।

PSC SoFT एक स्केलेबल, जेनेरिक सॉफ्टवेयर प्रणाली है जिसे इंडिया एंटरप्राइज आर्किटेक्चर (IndEA) फ्रेमवर्क पर आधारित लोक सेवा आयोग एंटरप्राइज आर्किटेक्चर फ्रेमवर्क (PSC EAF) पर विकसित किया गया है। PSC SoFT को एक विश्वसनीय अत्याधुनिक आधारभूत संरचना पर डिजास्टर रिकवरी (DR) प्रणाली के साथ होस्ट किया गया है। इस प्रणाली को किसी भी अन्य राज्य लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग या भर्ती प्रक्रिया में शामिल किसी अन्य संस्था में आसानी से प्रयोग किया जा सकता है।

इस प्रणाली में विभागों से प्राप्त मांग-पत्र, सीधी भर्तियाँ, पदोन्नति भर्तियाँ, भर्ती एवं पदोन्नति नियम, आवेदकों का पंजीकरण, हेल्प डेस्क तथा सी.एम.एस. आधारित वेबसाइट शामिल हैं। सॉफ्टवेयर में पर्याप्त सुरक्षा विशेषताएं हैं और इसका परितंत्र आयोग, सरकारी विभागों, आवेदकों और परीक्षा केंद्र में तैनात कर्मचारियों आदि सभी हितधारकों की कार्यप्रणाली को पूरा करता है।

PSC SoFT को हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग में जून 2020 से लागू किया गया है। इसके अतिरिक्त, आवेदकों एवं आयोग के अधिकारियों के लिए 'HPPSC' और 'HPPSC Admin' नामक दो मोबाइल ऐप्प भी उलब्ध हैं। मोबाइल ऐप्प द्वारा आवेदक नवीनतम परीक्षाओं, प्रेस नोट्स, शुद्धिपत्र, परिशिष्ट, परिणाम आदि के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और आयोग के अधिकारी परीक्षाओं के विभिन्न चरणों की निगरानी तथा आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई कर सकते हैं।

टेक टिप्स

ब्राउज़र प्रामाणिक और विश्वसनीय स्रोतों से ही डाउनलोड और इंस्टॉल करें, न कि तीसरे पक्ष की वेबसाइट्स से। यह भी ध्यान रखें कि ब्राउज़र एक्ज़ीक्यूटेबल केवल संबन्धित कंपनी या प्रामाणिक स्रोत से ही डाउनलोड करें।

एक्सेस की गई किसी भी वेबसाइट के लिए उपयोगकर्ता नाम और कूटशब्द/पासवर्ड को सेव करने से बचने के लिए ऑटोफिल लॉगिन बटन को अक्षम करें । कोई भी वित्तीय लेन देन या ऑनलाइन खरीदारी करते समय अत्याधिक सतर्क रहना चाहिए क्योंकि वेब ब्राउजर शीघ्रता से लेनदेन के लिए क्रेडिट/डेबिट कार्ड विवरण आदि को सहेजने के लिए कहते हैं, जो आपकी जानकारी के बिना शरारती तत्वों द्वारा चुराए या दुरुपयोग किये जा सकते हैं।

अतिथि अनुभव

श्री डी. के. रत्तन (भा. प्र. से.)

सचिव, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग

प्रत्येक राज्य लोक सेवा आयोग चयन प्रक्रियाओं के लिए किसी न किसी प्रकार की सूचना प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों का उपयोग कर रहा है। सभी हितधारकों को एक मंच पर लाने के साथ-साथ एक व्यापक, एकीकृत और विन्यास योग्य समाधान प्रदान करना एक बड़ी चुनौती थी। इस सन्दर्भ में, मुख्य उद्देश्य हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग को एक कागज रहित आयोग में बदलना था, जिसमें प्रक्रियाओं को कम से कम समय में पूरा किया जा सके और सभी हितधारकों को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकें।

PSC SoFT किसी भी प्रकार की चयन प्रक्रियाओं का ऑनलाइन प्रबंधन कर सकता है जिसे आयोग द्वारा संबन्धित विभाग की आवश्यकताओं के अनुसार कभी भी अनुरूपित, संसाधित और ऑनलाइन माध्यम से प्रकाशित किया जा सकता है। इस विशिष्ट एवं उपयोगकर्ता अनुकूलित प्रणाली को अपनाने के बाद, आवेदकों द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों और उनके संबन्धित पूछे जाने वाले प्रश्नों में अप्रत्याशित कमी के साथ-साथ प्रक्रिया समय भी काफी कम हो गया। यद्यपि, प्रारंभिक विचार केवल राज्य लोक सेवा आयोग की आंतरिक व्यवस्था को ही कम्प्यूट्रिकृत करने का था, लेकिन राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र हिमाचल प्रदेश की टीम द्वारा PSC SoFT की डिज़ाइनिंग से पहले लोक सेवा आयोग एंटरप्राइज़ आर्किटेक्चर फ्रेमवर्क (PSC EAF) अवधारणा विकसित की गई। PSC EAF ने राज्य लोक सेवा आयोग की कार्यप्रणाली और प्रक्रियाओं को एकाकी रूप के स्थान पर एक समग्र संगठनात्मक दृष्टिकोण को समझने, अनुकूलन और प्रक्रियाओं की पुनर्रचना का अवसर प्रदान किया।

PSC SoFT को विभिन्न प्रक्रियाओं, कार्य-प्रवाहों और मापदंडों के कम्प्यूटरीकरण के लिए एक सुगम और विन्यास योग्य ऑनलाइन सॉफ़्टवेयर सिस्टम के रूप में डिज़ाइन और विकसित किया गया है। यह सभी हितधारकों के डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक हरित ई-गवर्नेंस पहल है।

नवीनतम गतिविधियां

उप-महानिदेशक एवं एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश के राज्य समन्वयक, श्री अमरनाथ मिश्रा जी ने राज्य में चलाई जा रही विभिन्न सूचना प्रोद्योगिकी परियोंजनाओं की समीक्षा हेतु 7 से 9 जून, 2023 तक हिमाचल प्रदेश का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मुख्य सचिव, सचिव (सूचना प्रोद्योगिकी) हिमाचल प्रदेश और उपायुक्त सोलन के साथ बैठकें की। उन्होंने एन.आई.सी. राज्य केंद्र और मशोबरा में स्थित राष्ट्रपति भवन (प्रेसिडेंट रिट्रीट) का दौरा किया और विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की एवं बहुमूल्य सुझाव भी दिये।

बाल सत्र

डिजिटल बाल सत्र - "विश्व बाल श्रम निषेध दिवस" पर हिमाचल प्रदेश विधानसभा में डिजिटल बाल सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, माननीय मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश द्वारा की गई। श्री हरिवंश नारायण सिंह, उप-सभापति (राज्य सभा), श्री कुलदीप सिंह पठानिया (माननीय अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश विधानसभा) और हिमाचल प्रदेश के सभी मंत्री इस अवसर पर उपस्थित रहे।

- डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने और सरकारी कार्यालयों में लोगों की संख्या को कम करने के लिए, परिवहन सेवा के तहत **आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से फेसलेस लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस सेवाएं** राज्य में शुरू की गई।
- 16 मई और 13 जून, 2023 को शिमला में **दो रोजगार मेलों** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री नरेन्द्र मोदी, माननीय प्रधान मंत्री द्वारा विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की गई।
- एन.आई.सी. जिला इकाई कांगड़ा द्वारा निर्धन बालिकाओं के विवाह के लिए विकसित **वित्तीय सहायता मॉड्यूल** को उपायुक्त कार्यालय और जिला कांगड़ा के सभी मंदिर कार्यालयों में लागू किया गया है।
- **एन.आई.सी. जिला केंद्र ऊना नए मिनी सचिवालय परिसर में स्थानांतरित** हो गया है। पांच मंजिलों में फैले नए परिसर में निकनेट/इंटरनेट और विडियो कांफ्रेंस सेवाएं स्थापित की गई हैं।

गंतव्य

रेणुका जी

एक सम्मोहन

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिला में समुद्र तल से 672 मीटर पर स्थित एक बहुत ही रमणीक स्थल है। रेणुका झील नाहन से 37 किमी और पांवटा साहिब से 77 किमी की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील को ऋषि जमदग्नि की पत्नी और भगवान विष्णु के दस अवतारों में से एक भगवान परशुराम जी की माता रेणुका जी के अवतार के रूप में माना जाता है। महिला की आकृति में बनी इस झील की परिधि 2.5 किमी है और यह प्रदेश की सबसे बड़ी प्राकृतिक झील है।

भारतीय हिमालय क्षेत्र के हरे-भरे जंगलों के बीच स्थित झील का परिवेश पर्यटकों को ट्रेकिंग और पर्वतारोहण जैसे साहसिक खेलों के लिए एक उत्कृष्ट स्थान प्रदान करता है। पर्यटन विभाग, हिमाचल प्रदेश द्वारा यहाँ पर नौका विहार, आवास, खानपान आदि सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं। रेणुका झील के आसपास की पहाड़ियाँ विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों एवं जीव-जंतुओं के लिए उपयुक्त आश्रय स्थल हैं। इस क्षेत्र में वन्य जीवन की बहुतायत के मध्यनज़र राज्य सरकार द्वारा यहाँ पर एक लघु चिड़ियाघर भी स्थापित किया गया है। चिड़ियाघर में कई प्रकार के वन्य-जीवों की प्रजातियाँ रखी गई हैं जिनमें हिमालयन ब्लैक बियर, चित्तीदार हिरण, बार्किंग बियर आदि प्रमुख हैं। प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ सुप्रसिद्ध श्री रेणुका जी मंदिर भी इस झील के किनारे पर स्थित है।

एक सप्ताह तक चलने वाला वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय श्री रेणुका जी मेला भी यहीं पर आयोजित किया जाता है जो आमतौर पर दीवाली के बाद सर्दियों के दौरान मनाया जाता है। सिरमौर एवं अन्य समीपवर्ती जिलों तथा उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब आदि राज्यों से बहुत सारे श्रद्धालु इस मेले में भाग लेते हैं। फरवरी से मार्च के दौरान यहाँ का वातावरण बहुत ही सुहावना होता है और हल्के ऊनी कपड़ों की आवश्यकता रहती है जबकि गर्मियों का तापमान बहुत अधिक होता है और हल्के सूती कपड़ो का प्रयोग बेहतर रहता है।

कैसे पहुंचें:

सड़क मार्ग द्वारा: रेणुका जी सड़क मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। यह स्थान दिल्ली से 297 किलोमीटर और नाहन (सिरमौर जिला मुख्यालय) से 37 किलोमीटर दूर है जहां से आप बस या टैक्सी लेकर यहाँ पहुँच सकते हैं।

वायु मार्ग द्वारा: रेणुका जी से निकटतम हवाई अड्डा चंडीगढ़ (123 किलोमीटर) और देहरादून (132 किलोमीटर) हैं। इन दोनों स्थानों से रेणुका जी के लिए बस व टैक्सी सेवाएँ उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: रेणुका जी से निकटतम रेलवे स्टेशन अंबाला केंट (97 किलोमीटर), चंडीगढ़ (123 किलोमीटर) और देहरादून (132 किलोमीटर) हैं जहां से आप बस या टैक्सी लेकर यहाँ पर आसानी से पहुँच सकते हैं।

टेक अपडेट

वेब स्क्रेपिंग

वेबसाइटों से डेटा निकालना

स्क्रैपिंग एक ऐसी तकनीक है जिसमें एक कंप्यूटर प्रोग्राम दूसरे प्रोग्राम से उत्पन्न आउटपुट से डेटा निकालता है। वेब स्क्रैपिंग (जिसे स्क्रीन स्क्रैपिंग, वेब डेटा एक्सट्रैक्शन, वेब हार्वेस्टिंग आदि भी कहा जाता है) एक ऐसी तकनीक है जिसका उपयोग स्क्रैपर बॉट्स का उपयोग करके वेबसाइट से स्वचालित रूप से बड़ी मात्रा में डेटा निकालने और इसे फ़ाइल या डेटाबेस में सहेजने के लिए किया जाता है। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट के अनुसार, डेटा-संचालित संगठनों की नए ग्राहक बनाने की संभावना 23 गुणा , ग्राहकों को बनाए रखने की संभावना 6 गुणा और लाभ अर्जित करने की संभावना 19 गुणा अधिक है। उद्यम इस डेटा का लाभ, अधिक विश्लेषणात्मक निर्णय लेने और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने में उपयोग कर सकते हैं।

वेब क्रॉलिंग तथा वेब स्क्रैपिंग

वेब क्रॉलर वेब पेजों का सूचकांक इकट्ठा करते हैं जबकि वेब स्क्रैपर्स पुन: उपयोग के लिए डेटा के एक विशिष्ट सेट को निकालने के लिए पेज डाउनलोड करते हैं जैसे कि उत्पाद विवरण, मूल्य निर्धारण जानकारी, एस.ई.ओ. डेटा, या कोई अन्य डेटा सेट। अतः सरल शब्दों में वेब स्क्रैपिंग एक वेबसाइट से डेटा संग्रहीत करने की प्रक्रिया है जबकि वेब क्रॉलिंग विभिन्न वेब पेजों के यू.आर.एल. का संग्रह है।

स्क्रैपिंग के प्रकार

प्राय, स्क्रैपिंग का उपयोग किसी विषय की स्क्रैपिंग, वस्तुओं के मूल्यों की स्क्रैपिंग, विपणन शोध, समाचारों की निगरानी, भावनात्मक विश्लेषण/सेंटीमेंट एनालिसिस, मशीन लर्निंग मॉडल्स को प्रशिक्षित करने के लिए डेटा निकालने और संपर्क सूचियों की स्क्रैपिंग आदि के लिए किया जाता है।

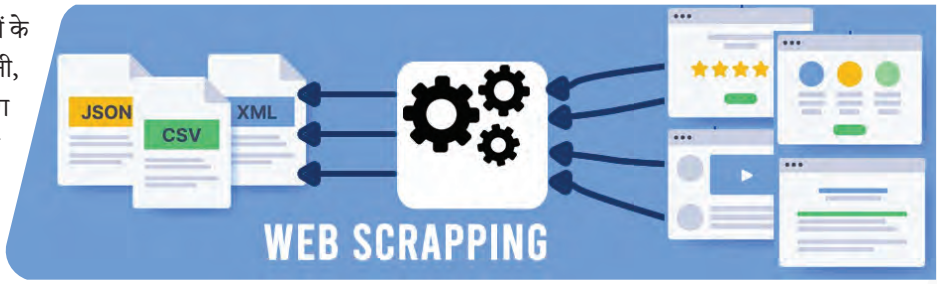

वेब स्क्रैपिंग की कानूनी वैधता

प्राय कॉपीराइट कानूनों, लाइसेंस के समझौतों या वेबसाइट के उपयोग की शर्तों के अनुसार की गई स्क्रैपिंग वैध मानी जाती है। नैतिक रूप से उपयोग किए जाने वाले सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध डेटा की स्क्रैपिंग को भी कानूनी वैध माना जाता है। आम तौर पर, वैबसाइट पर उपलब्ध पेजों को डाउनलोड करने अथवा स्क्रेप करने की अनुमति सम्बन्धी सूचना robots.txt फ़ाइल में वर्णित रहती है। फिर भी किसी वेब पेज़ के अनुरोधों को सीमित करके, HTML मार्कअप को नियमित रूप से संशोधित करके, मल्टी-फैक्टर प्रमाणीकरण का उपयोग करके, कैप्चा/CAPTCHA का उपयोग करके और डेटा को एक चित्र के रूप में प्रकाशित करके वेब स्क्रैपिंग की घटनाओं को नियंत्रित किया जा सकता है।

फैमिली कनैक्ट

विमल कुमार शर्मा / स्वेतांश शतक

सुप्रिया एवं सचिन और स्वेतांश एवं देविज्ञा का विवाह समारोह

सुप्रिया पुत्री श्री. विमल कुमार शर्मा एवं सचिन 12 मई, 2023 को शादी के बंधन में बंध गए

डी.आई.ए. एन.आई.सी. जिला केंद्र सोलन, स्वेतांश एवं देविज्ञा 20 मई, 2023 को शादी के बंधन में बंधे

एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश दोनों नवविवाहित जोड़ों को सुखी वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं देता है

परामर्श : श्री अजय सिंह चहल

संवाद पत्र टीम

मुख्य संपादक: श्री विनोद कुमार गर्ग

संपादक: श्री भूपिंदर पाठक, श्री अखिलेश भारती, श्री बृजेन्द्र कुमार डोगरा

डिज़ाइन और रचनात्मक कलाएँ: श्री सर्वजीत कुमार

योगदानकर्ता

श्री संजय शर्मा
श्री विनोद कुमार गर्ग
श्री मोहन राकेश अग्रवाल

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र
हिमाचल प्रदेश राज्य केंद्र, छठी मंजिल, आर्म्सडेल बिल्डिंग,
हिमाचल प्रदेश सचिवालय, शिमला हिमाचल प्रदेश - 171002
+91-177-2624045 sio-hp@nic.in
https://nichimachal.nic.in

एनआईसी National Informatics Centre